Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 2

एक दल के प्रभुत्व का दौर

भाग - 4

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्रश्नावली

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. सही विकल्प को चुनकर खाली जगह को भरें:

(क) 1952 के पहले आम चुनाव में लोकसभा के साथ-साथ ..... के लिए भी चुनाव कराए गए थे। (भारत के राष्ट्रपति पद/राज्य विधानसभा/राज्यसभा/प्रधानमंत्री)

(ख) ..... लोकसभा के पहले आम चुनाव में 16 सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर रही। (प्रजा सोशलिस्ट पार्टी/भारतीय जनसंघ/भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी/भारतीय जनता पार्टी)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ग) ..... स्वतंत्र पार्टी का एक निर्देशक सिद्धांत था। (कामगार तबके का हित/ रियासतों का बचाव/राज्य के नियंत्रण से मुक्त अर्थव्यवस्था/ संघ के भीतर राज्यों की स्वायत्तता)

उत्तर : (क) राज्य विधानसभा

(ख) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(ग) राज्य के नियंत्रण से मुक्त अर्थव्यवस्था

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

यहाँ दो सूचियाँ दी गई हैं। पहले में नेताओं के नाम दूसरे में दलों के। दोनों सूचियों में मेल बैठाएँ:

(क) एस–ए– डांगे	(i) भारतीय जनसंघ
(ख) श्यामा प्रसाद मुखर्जी	(ii) स्वतंत्र पार्टी
(ग) मीनू मसानी	(iii) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
(घ) अशोक मेहता	(iv) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

उत्तर :

(क) → (iv) (ख) → (i) (ग) → (ii) (घ) → (iii)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. एकल पार्टी के प्रभुत्व के बारे में यहाँ चार बयान लिखे गए हैं। प्रत्येक के आगे सही या गलत का चिह्न लगाएँ:

(क) विकल्प के रूप में किसी मजबूत राजनीतिक दल का अभाव एकल पार्टी-प्रभुत्व का कारण था।

(ख) जनमत की कमजोरी के कारण एक पार्टी का प्रभुत्व कायम हुआ।

(ग) एकल पार्टी-प्रभुत्व का संबंध राष्ट्र के औपनिवेशिक अतीत से है।

(घ) एकल पार्टी-प्रभुत्व से देश में लोकतांत्रिक आदर्शों के अभाव की झलक मिलती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. अगर पहले आम चुनाव के बाद भारतीय जनसंघ अथवा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार बनी होती तो किन मामलों में इस सरकार ने अलग नीति अपनाई होती ? इन दोनों दलों द्वारा अपनाई गई नीतियों के बीच तीन अंतरों का उल्लेख करें।

उत्तर :

- एक देश एक संस्कृति और एक राष्ट्र के विचार पर जोर।
- भारत ओर पाकिस्तान को एक करके 'अखंड भारत' बनाया जाये।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- धार्मिक और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को रियायत नहीं दी जानी चाहिए।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी निम्न सिद्धांतों पर आधारित थी।

- यह पार्टी साम्यवाद की राह अपनाने की तरफदारी कर रही थी।
- 1947 में सत्ता हस्तांतरण को सच्ची आजादी नहीं माना।
- इस विचार ने तेलंगाना में हिंसक विद्रोह को बढ़ावा मिला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. कांग्रेस किन अर्थों में एक विचारधारात्मक गठबंधन थी? कांग्रेस में मौजूद विभिन्न विचारधारात्मक उपस्थितियों का उल्लेख करें।

उत्तर :

- निम्न, मध्यम, उच्च प्रत्येक वर्ग शामिल।
- किसान, व्यापारी, उद्योगपति, मजदूर मालिक।
- गरमपंथी, वामपंथी, दक्षिणपंथी, नरमपंथी सबको कांग्रेस में स्थान।
- आजादी के समय कांग्रेस में हर वर्ग, जाति, धर्म, भाषा का समावेश।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. क्या एकल पार्टी प्रभुत्व की प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर खराब असर हुआ ?

उत्तर : एकल पार्टी प्रभुत्व प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चारित्र पर खराब असर नहीं हुआ क्योंकि —

- कांग्रेस में कई विरोधी गुट जिससे शक्ति संतुलन।
- राजनीतिक होड़ कांग्रेस के भीतर ही मौजूद।
- विरोधी विचारधारा को भी महत्त्व मिल रहा था।
- उस समय मौजूद विपक्षी दलों ने भी सिद्धांतों के बल पर कांग्रेस पार्टी की नीतियों और व्यवहारों की आलोचना की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. समाजवादी दलों और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच के तीन अंतर बताएँ। इसी तरह भारतीय जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी के बीच के तीन अंतरों का उल्लेख करें।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

समाजवादी दल	कम्युनिस्ट पार्टी
(1) लांकतांत्रिक समाजवाद की विचारधारा	(1) साम्यवादी विचारधारा
(2) कांग्रेस की आलोचना क्यूं कि वो जमींदारो और पूंजीपतियों का पक्ष ले रही थी।	(2) कांग्रेस का विरोध – 1947 का सत्ता हस्तांतरण को झूठी आजादी माना।
(3) कांग्रेस को ज्यादा परिवर्तनकारी और समतावादी बनाने के लिए 1934 में युवा नेताओं की एक टोली द्वारा गठन।	(3) 1941 में कांग्रेस से अलग हुए – नाजी जम्रनी के खिलाफ लड़ रहे ब्रिटेन को समर्थन देने का फैसला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय जनसंघ	स्वतंत्र पार्टी
(1) गठन 1951	(1) गठन 1959
(2) एक देश, एक संस्कृति, एक राष्ट्र के विचार पर जोर।	(2) सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में कम से कम हस्तक्षेप पर जोर।
(3) धार्मिक ओर सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को रियायत देने का विरोध।	(3) आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हित को ध्यान में रखकर किये जा रहे कराधान का विरोध।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारत और मैक्सिको दोनों ही देशों में एक खास समय तक एक पार्टी का प्रभुत्व रहा। बताएँ कि मैक्सिको में स्थापित एक पार्टी का प्रभुत्व कैसे भारत के एक पार्टी के प्रभुत्व से अलग था?

उत्तर : मैक्सिकों में स्थापित एक पार्टी प्रभुत्त्व एवं भारत में स्थापित एक पार्टी प्रभुत्त्व में अंतर —

(1) भारत में मुक्त व निष्पक्ष चुनाव जबकि मैक्सिकों में चुनाव के इस तरह के नियम कि क्रम्हु को ही गीत मिलें।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(2) भारत में कांग्रेस को लोकप्रियता एवं विश्वसनीयता के कारा जीत वहीं मैक्सिकों में चुनावों में हेर-फेर व धांधली।

(3) भारत में विपक्षी दलों व विरोधी गुओं के प्रति सहिष्णुता वहीं मैक्सिकों में बाकी पार्टियां केवल सत्ता को वैधता बनाये रखने के लिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

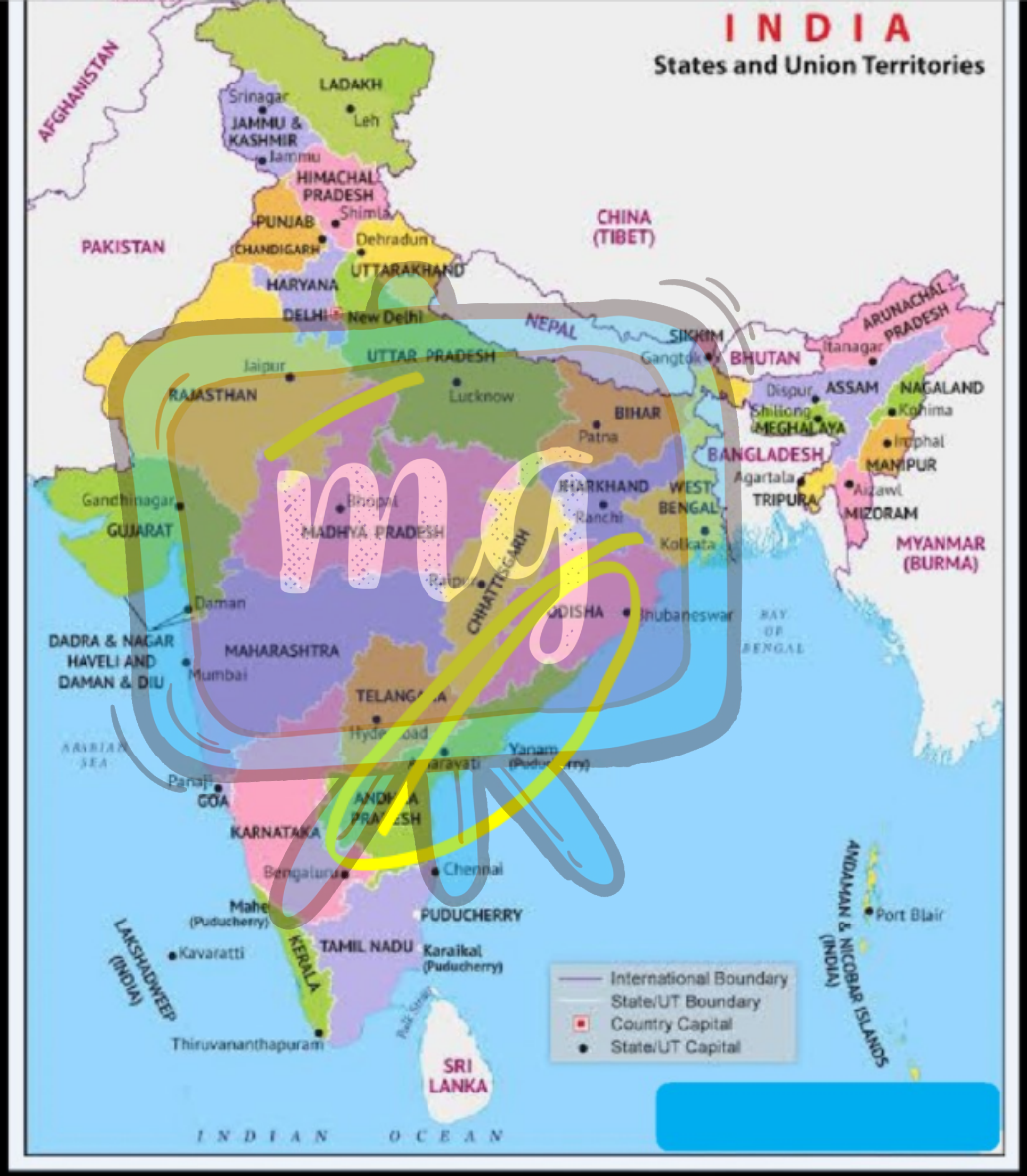
9. भारत का एक राजनीतिक नक्शा लीजिए (जिसमें राज्यों की सीमाएँ दिखाई गई हों) और उसमें निम्नलिखित को चिह्नित कीजिए:

(क) ऐसे दो राज्य जहाँ 1952–67 के दौरान कांग्रेस सत्ता में नहीं थी।

(ख) दो ऐसे राज्य जहाँ इस पूरी अवधि में कांग्रेस सत्ता में रही।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कांग्रेस के संगठनकर्ता पटेल कांग्रेस को दूसरे राजनीतिक समूह से निसंग रखकर उसे एक सर्वांगसम तथा अनुशासित राजनीतिक पार्टी बनाना चाहते थे। वे चाहते थे कि कांग्रेस सबको समेटकर चलने वाला स्वभाव छोड़े और अनुशासित कॉडर से युक्त एक सगुंफित पार्टी के रूप में उभरे। 'यथार्थवादी' होने के कारण पटेल व्यापकता की जगह अनुशासन को ज्यादा तरजीह देते थे। अगर ''आंदोलन को चलाते चले जाने'' के बारे में गाँधी के ख्याल हद से

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ज्यादा रोमानी थे तो कांग्रेस को किसी एक विचारधारा पर चलने वाली अनुशासित तथा धुरंधर राजनीतिक पार्टी के रूप में बदलने की पटेल की धारणा भी उसी तरह कांग्रेस की उस समन्वयवादी भूमिका को पकड़ पाने में चूक गई जिसे कांग्रेस को आने वाले दशकों में निभाना था। — रजनी कोठारी

(क) लेखक क्यों सोच रहा है कि कांग्रेस को एक सर्वांगसम तथा अनुशासित पार्टी नहीं होना चाहिए?

(ख) शुरुआती सालों में कांग्रेस द्वारा निभाई गई समन्वयवादी भूमिका के कुछ उदाहरण दीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) भारत का विशाल आकार, विविधताओं से परिपूर्ण संसकृति – ऐसे में सभी प्रकार के विचारों का समन्वय आवश्यक।

(ख) आजादी के समय कांग्रेस पार्टी में सभी जाति, धर्म, वर्ग आदि की उपस्थिति।

➔ प्रथम निर्वाचित सरकार के मंत्रिमण्डल में विपक्षी दलों को स्थान।